एक नजर में

भारत में बढ़ रहा क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल

इंदौर. भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड के आँकड़ों से पता चलता है कि क्रेडिट कार्ड के ग्राहक अब अपनी ज़रूरत की चीज़ों के साथ-साथ बेहतर अनुभव और लाइफस्टाइल पर भी दिल खोलकर खर्च कर रहे हैं, साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं. भारत में लगातार विकसित हो रहे क्रेडिट कार्ड इकोसिस्टम के बारे में बात करते हुए, एसबीआई कार्ड की एमडी एवं सीईओ, सुश्री सलिला पांडे ने कहा लोगों की बढ़ती आय और बड़ी उम्मीदों, बेहतर हो रही नीतियों, डिजिटलीकरण और लगातार मजबूत हो रहे पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर की वजह से क्रेडिट कार्ड से लेनदेन ट्रांज़ैक्शन के स्वरूप में काफी बदलाव आया है. लोग अब अपनी पसंद के अनुभवों, लाइफस्टाइल से जुड़ी खरीदारी और रोज़मर्रा के आसान लेन-देन को ज्यादा पसंद करने लगे हैं, जो उनके बढ़ते आत्मविश्वास और बदलती सोच को दर्शाता है. एसबीआई कार्ड में, हम इन बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बेहतरीन साझेदारियों और इनोवेशन के ज़रिए अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को और मजबूत करने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं.

मप्र में निर्माण क्षमता में 15% की वृद्धि करेगा कामधेनु

इंदौर. मध्य प्रदेश में अपने ब्रांड 'कामधेनु कलर मैक्स शीट' की बाजार हिस्सेदारी और उपस्थिति को पुनः सशक्त बनाने की एक रणनीतिक पहल के तहत, भारत की खुदरा क्षेत्र में ब्रांडेड टीएमटी बार्स की सबसे बड़ी निर्माता एवं विक्रेता कंपनी कामधेनु लिमिटेड ने एक वर्ष के भीतर अपनी विनिर्माण क्षमता में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की योजना की घोषणा की. कंपनी की व्यावसायिक योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कामधेनुलिमिटेड के निदेशक सुनील अग्रवाल ने कहा आज कामधेनुकलर कोटेड शीट्स का उपयोग कई सरकारी तथा गैर-सरकारी परियोजनाओं में किया जा रहा है. हमारे उत्पादों की बढ़ती मांग, विशेष रूप से राज्य में तेजी से बढ़ते आवास और अवसंरचना क्षेत्र के कारण, हम अपने उच्च गुणवत्ता वाले कलर कोटेड शीट्स की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. मध्य प्रदेश में निरंतर आर्थिक विकास देखा जा रहा है, जहां आवास और अवसंरचना क्षेत्र में प्रीमियम स्टील उत्पादों की मांग में वृद्धि हो रही है. इस विकास को ध्यान में रखते हुए हमने अपनी व्यावसायिक रणनीतियों को उसी अनुरूप तैयार किया है.

सैमसंग और गूगल ने नए इंटेलिजेंट आईवियर का लुक जारी किया

इंदौर. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और गूगल ने गूगल आई/ओ 2026 में नए इंटेलिजेंट आईवियर (स्मार्ट चश्मों) का अनावरण किया. कंपनी ने जेंटल मॉन्स्टर और वार्बी पार्कर जैसे प्रसिद्ध आईवियर पार्टनर्स के साथ मिलकर बनाए गए दो प्रीमियम स्टाइल के स्मार्ट चश्मों का पहला लुक पेश किया. यह नए स्मार्ट चश्मे मोबाइल फोन के साथी डिवाइस के रूप में काम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल ईएक्सपीरियंस (एमएक्स) बिजनेस, कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिस के हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट जे किम ने कहा यह इंटेलिजेंट आईवियर एआई को लेकर सैमसंग के विजन में एक अहम कदम है. इस नए एआई फॉर्म फैक्टर के साथ हम गैलेक्सी डिवाइस इकोसिस्टम को और आगे बढ़ा रहे हैं, जहां हर डिवाइस को हर फॉर्म के लिए सबसे उपयुक्त खास एआई अनुभव देने के लिए ऑप्टिमाइज़ किया गया है. गूगल के एंड्रॉयड एक्सआर के वाइस प्रेसिडेंट और जीएम शाहराम इज़ादी ने कहा सैमसंग के साथ हमारे साझा विजन में इंटेलिजेंट आईवियर एआई को रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा उपयोगी और सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है.

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 3 लाख हाइब्रिड वाहन बेचे

इंदौर. टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (अचरू) ने आज अपनी इलेक्ट्रिफिकेशन/मल्टी-पाथवे यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन हासिल करने की घोषणा की. कंपनी ने भारत में कुल 3 लाख हाइब्रिड वाहनों की बिक्री पूरी की है, जो सतत मोबिलिटी को आगे बढ़ाने और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी में ग्राहकों के भरोसे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है. इस उपलब्धि पर सबरी मनोहर, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स, सर्विस और यूज़्ड कार बिज़नेस, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा भारत में 3 लाख हाइब्रिड वाहनों की बिक्री का माइलस्टोन हासिल करना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है. यह उपलब्धि टोयोटा की सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी में ग्राहकों के मजबूत और लगातार बढ़ते भरोसे को दर्शाती है. टोयोटा में हमारी 'मास इलेक्ट्रिफिकेशन' फिलॉसफी का आधार है प्रैक्टिकल, स्केलेबल और सभी के लिए सुलभ मोबिलिटी समाधान देना. हाइब्रिड टेक्नोलॉजी एक क्लीनर भविष्य की ओर महत्वपूर्ण पुल का काम करती है, जिससे ग्राहक बिना परफॉर्मेंस, सुविधा या भरोसे से समझौता किए इलेक्ट्रिफिकेशन को सहजता से अपना सकते हैं.

इवाना, चटर्जी, आरुष व तारुष फाइनल में पहुंचे

इंदौर. मप्र टेनिस संघ द्वारा आयोजित एवं पाथ फाउंडेशन व मोयरा सरिया द्वारा प्रायोजित पुनित मेमोरियल एशियन जूनियर अंडर-12 इंदौर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में इवाना अरोरा, पी. चटर्जी, आरुष खन्ना व तारुष बीसी ने क्रमशः बालिका व बालक वर्ग के सेमीफाइनल में जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया. फाइनल मुकाबले शुक्रवार को शाम 4.30 बजे से खेले जाएंगे.

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ इंदौर ने पूरे किए दो साल

इंदौर. बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, इंदौर केंद्र ने अपनी स्थापना के दो साल पूरे कर लिए हैं. इस अवधि में केंद्र ने मध्य भारत में उन्नत फर्टिलिटी उपचारों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने और गर्भधारण से जुड़ी जटिल समस्याओं के लिए विशेषज्ञ देखभाल तक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. पहले जहां उन्नत उपचार के लिए कई दंपतियों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होने से समय पर जांच और उपचार शुरू करना अधिक सहज हुआ है. डॉ. पायल जैसवाल, कंसल्टेंट और सेंटर हेड, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, इंदौर, ने कहा इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में फर्टिलिटी को लेकर जागरूकता पहले से बेहतर हुई है. आज दंपति पहले की तुलना में फर्टिलिटी सलाह लेने के लिए ज्यादा तैयार हैं. हम कम उम्र के दंपतियों में भी पीसीओएस, लो ओवेरियन रिजर्व, कम एएमएच और पुरुष फर्टिलिटी समस्याओं के मामले देख रहे हैं, जो बदलती जीवनशैली और स्वास्थ्य पैटर्न की ओर इशारा करते हैं. घर के करीब समय पर फर्टिलिटी जांच और विशेषज्ञ सलाह मिलने से सही उपचार जल्दी शुरू किया जा सकता है.

डॉ. रेड्डीज ने टैबलेट ओबेडा को लॉन्च किया

इंदौर. एक वैश्विक दवा कंपनी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड ने आज टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के इलाज के लिए अपने ओरल सेमाग्लूटाइड बायोसिमिलर को लॉन्च करने की घोषणा की है. डॉ. रेड्डीज का यह ओरल सेमाग्लूटाइड भारत में ओबेडा ब्रांड नाम के तहत टैबलेट के रूप में उपलब्ध है. डॉ. रेड्डीज के ग्लोबल जेनेरिक्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, एम. वी. रमणा ने कहा डायबिटीज के मरीजों के लिए हमारे ओरल सेमाग्लूटाइड का लॉन्च उन्नत डायबिटीज केयर तक पहुंच को व्यापक बनाने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है. हम समझते हैं कि डायबिटीज के साथ हर मरीज का सफर अलग होता है, और इलाज के विकल्पों में वह विविधता दिखनी चाहिए. इस लॉन्च के साथ हम मरीजों को ज्यादा विकल्प और लचीलापन देने के लिए अपने जीएलपी-1 पोर्टफोलियो को व्यापक बना रहे हैं. चूंकि इस उत्पाद को कंपनी में ही विकसित और तैयार किया गया है, इसलिए हम भारत में मरीजों के लिए विश्वसनीय आपूर्ति और लगातार बेहतर गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

अब एयरबीएनबी पर और भी सुविधाएं

इंदौर. अब एयरबीएनबी केवल ठहरने की जगह बुक करने वाला मंच नहीं रह गया है. पिछले साल एयरबीएनबी ने अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाया था। कंपनी ने एयरबीएनबी एक्सपीरियंस और एयरबीएनबी सर्विसेज की शुरुआत की थी, जिससे लोगों को घर बुकिंग के साथ कई नई सुविधाएं भी मिलने लगीं. इसके जरिए लोग एक ही जगह पर ठहरने की बुकिंग करने, स्थानीय लोगों के साथ शहर घूमने और निजी शेफ से खाना बनवाने जैसी सुविधाओं का फायदा उठा सकते थे. तब से दुनिया भर में लाखों लोग इन सेवाओं का इस्तेमाल कर चुके हैं. एयरबीएनबी के को-फाउंडर एवं सीईओ ब्रायन चेस्की ने कहा यात्रा केवल आसान नहीं बल्कि यादगार भी होनी चाहिए. अच्छी यात्राएं लोगों को नई जगहों को समझने, नई चीजें सीखने और नए अनुभवों के साथ लौटने का मौका देती हैं. एयरबीएनबी इसी सोच के साथ काम कर रहा है. इस गर्मी हम लोगों को शानदार ठहरने की जगहों, बुटिक होटलों, फीफा विश्व कप से जुड़े खास अनुभवों और यात्रा को आसान बनाने वाली नई सेवाओं जैसे कई नए विकल्प दे रहे हैं.

जलसंकट दूर करने सरकार से 50 करोड़ की मांग

- चुंगी क्षतिपूर्ति राशि की भी मांग
- एसीएस के साथ जनप्रतिनिधियों की बैठक में उठा मुद्दा

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में भीषण गर्मी से उपजे जल संकट और जन प्रदर्शन को लेकर प्रदेश के एसीएस ने आज रेसिडेंसी कोठी में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक में महापौर और सांसद ने टैंकर और हाइड्रेड बढ़ाने के लिए सरकार से 50 करोड़ रुपए पानी समस्या के लिए देने की बार कही. यही नहीं नेताओं ने नगर निगम चुंगी क्षति पूर्ति के पैसे भी देने की मांग की है.

पिछले पंद्रह दिनों से शहर में पानी को लेकर लगभग हर इलाके में जनता सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रही है. इस समय शहर में भीषण जल संकट गहराया हुआ है. अखबारों और टीवी चैनलों में प्रमुख खबर पानी नहीं मिलने और जनता द्वारा मटके फोड़कर प्रदर्शन की बन रही है. स्थिति गंभीर बनने के बाद सरकार के ओर से वर्तमान पेयजल आपूर्ति की स्थिति और जनप्रतिनिधियों के समस्या के निदान को लेकर सरकार के वरिष्ठ अधिकारी एसीएस और इंदौर संभाग प्रभारी अनुपम राजन आज इंदौर आए. राजन ने जनप्रतिनिधियों से जलसंकट को लेकर वर्तमान हालात पर चर्चा की. महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बैठक में सरकार से 50 करोड़ रुपए की राशि अलग से जल प्रबंधन व्यवस्था करने के लिए मांग की. महापौर भार्गव ने कहा कि शहर बहुत बढ़ गया है और जनसंख्या में भी इजाफा हो गया. शहर में 4 हजार बोरिंग सुख गए हैं और 6 सौ टैंकरों से भी आपूर्ति नहीं हो पा रही है. वर्तमान में नए हाइड्रेंड बनाने, टैंकर भुगतान और कुछ जगह पानी पाइप लाइन बदलने और सुधारने के लिए फंड के जरूरत है. सरकार पानी को लिए 50 करोड़ रुपए सहायता राशि नगर निगम को दे.

इंजीनियर की कमी की पूर्ति का मुद्दा भी रखा

सांसद शंकर लालवानी ने भी शहर में व्याप्त पानी के समस्या के लिए विशेष सहायता राशि के रूप में 50 करोड़ इंदौर नगर निगम को जल व्यवस्था बनाने के लिए मांग की है. साथ ही जल प्रदाय व्यवस्था किसी अनुभवी को सौंपने के उक्त दोनों की मांग का समर्थन सभी विधायकों ने भी किया. एसीएस के सामने निगम के जल प्रदाय से जुड़े पूर्व कर्मचारियों, अनुभवी अधिकारी को संविदा पर रखने और इंजीनियर की कमी की पूर्ति का मुद्दा भी जनप्रतिनिधियों ने रखा.

चुंगी क्षतिपूर्ति देने की मांग दोहराई

एसीएस राजन के सामने महापौर ने नगर निगम चुंगी क्षति पूर्ति राशि के 400 सौ करोड़ देने की भी मांग दोहराई, ताकि शहर में नए क्षेत्रों में विकास और पानी के व्यवस्था करने में मदद मिलेगी. एसीएस राजन ने कहा कि आपकी मांग और समस्या भोपाल मुख्यमंत्री को बताकर निराकरण करने की बात करेंगे. बैठक में विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, संभागायुक्त डॉ. सुदामा खाड़े, कलेक्टर शिवम वर्मा, आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त आशीष कुमार पाठक मौजूद थे.

साइकिलों पर पानी ढोने को मजबूर लोग

इंदौर. भीषण गर्मी और घटते जलस्तर के बीच शहर के कई क्षेत्रों में जल संकट गहराता जा रहा है. जलापूर्ति प्रभावित होने से लोगों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है. कई इलाकों में नागरिक साइकिलों, ठेलों और दोपहिया वाहनों पर पानी के डिब्बे व कैन लादकर घर ले जाते दिखाई दे रहे हैं.

जहां भी बोरवेल या हैंडपंप से पानी मिल रहा है, वहां सुबह से ही लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं. महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को पानी भरने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है. पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलने से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है. बढ़ती गर्मी के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है, जबकि कई जलस्रोतों का जलस्तर नीचे पहुंच गया है. हाल के दिनों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल संकट को लेकर विरोध-प्रदर्शन भी सामने आए हैं और नगर निगम को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्य स्रोतों से पानी उपलब्ध कराने के प्रयास करने पड़े हैं.

आयुक्त ने पानी बेचते टैंकर ड्राइवर को पकड़ा

- टैक्टर टैंकर जप्त कर 25 हजार रुपए का जुर्माना ठोका

नव भारत न्यूज

इंदौर. निगम आयुक्त ने गुरुवार को रेसकोर्स रोड पर पानी बेचते टैंकर ड्राइवर को पकड़ा. आयुक्त ने मौके पर ही ड्राइवर को जमकर लताड़ लगाई और 25 हजार का जुर्माना लगाया.

आयुक्त क्षितिज सिंघल कल शाम 5.30 बजे रानी सती गेट के पास से गुजर रहे थे. उस समय उन्हें टैक्टर टैंकर नंबर एमपी09 एबी 0932 दिखाई दिया. उक्त टैंकर पर पानी बेचने पर शिकायत करने का निगम द्वारा दिया गया स्टीकर भी नहीं लगा हुआ था. आयुक्त ने ट्रैक्टर टैंकर ड्राइवर जो कि जोन क्रमांक 9 में पार्श्वनाथ जैन कालोनी रानी सती गेट के पास पानी डाल रहा था, वहां नागरिकों से जानकारी लेने पर नागरिकों ने बताया कि टैंकर ड्राइवर द्वारा पानी देने के बदले में पैसे लिए जा रहे है. टैंकर पर स्टीकर नहीं होने से ड्राइवर द्वारा निजी टैंकर बताकर पानी बेचा जा रहा है. आयुक्त ने ट्रैक्टर टैंकर नंबर एमपी09 एबी 0932 जब्त कर वर्कशॉप में खड़ा करा दिया. साथ ही एजेंसी आशा इंटरप्राइजेस पर 25000 हजार रुपए का जुर्माना लगाया. इसी तरह आज सुबह लसुड़िया मोरी दौरे के दौरान आयुक्त को 2 ट्रैक्टर टैंकर दिखाई दिए, जिसमें टैंकरो पर नंबर नहीं लिखे थे. टैंकर पर स्टीकर भी नहीं लगे हुए थे. आयुक्त ने दोनों टैंकर के ड्राइवर को फटकार लगाई. उक्त दोनों टैक्टर टैंकर की एजेंसी साईं कृपा इंटरप्राइजेस पर एजेंसी पर 10000-10000 की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए.

मास्टर प्लान की सड़क में बाधक मकान निगम ने हटाए

- 60 फीच चौड़ी सड़क का होगा निर्माण

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम ने आज सुबह मास्टर प्लान और स्मार्ट सिटी की सड़क में बाधक निर्माण हटाने की कार्रवाई की. इस दौरान निगम ने सड़क चौड़ाई में बाधक 16 मकानों पर बुलडोजर चलाया. कई मकान मालिको ने स्वयं भी मकान हटा लिए है.

शहर के पश्चिम क्षेत्र में नेमीनाथ चौराहे टोरी कॉर्नर से लक्ष्मी बाई प्रतिमा तक तक नगर निगम मास्टर प्लान की 60 फीट चौड़ी सड़क निर्माण करेगा. सड़क चौड़ीकरण कार्य में बाधक करीब 16 मकानों को आज हटाने की कार्रवाई की गई. उक्त सड़क दो चरणों में बनेगी. पहले चरण में लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिंसी चौराहे तक बाधक कुल 69 मकानों में से अधिकांश मकान मालिकों ने स्वयं अपने बाधक और निर्माण हटा लिए थे. नगर निगम 16 मकान बता रहा है, लेकिन 65 मकान मालिकों ने अपने निर्माण स्वयं तोड़ लिए थे. सिर्फ चार मकानों पर रिमूवल की कार्रवाई की गई है. बताया जा रहा है कि मौके पर आज तोड़े गए मकान वालों ने भी निर्माण हटाने का कार्य किया था, लेकिन निगम ने बारिश पर सड़क निर्माण कार्य जल्दी करने के कारण आज रिमूवल किया. कार्रवाई के दौरान नगर निगम जनकार्य विभाग के पी एस कुशवाह, नरेश जायसवाल,रिमूवल अधिकारी अंकेश बिदासरिया, बबलू कल्याणी, मल्हारगंज थाना प्रभारी और भारी संख्या में पुलिस बल निगम र्मुव दस्त के कर्मचारी मौजूद थे.

कांग्रेस पार्षद दल मिला निगम आयुक्त से

- अपर आयुक्त को हटाने की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. गुरुवार को कांग्रेस पार्षद दल के सदस्य निगम आयुक्त ने मिले. मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष और अन्य पार्षदो ने जल कार्य प्रभारी अपर आयुक्त की शिकायत के और उनसे प्रभार छीनने के मांग की.

आज शाम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के साथ कांग्रेस पार्षद पानी की समस्या को लेकर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल से मिले. इस दौरान नेता प्रतिपक्ष चौकसे ने जल कार्य प्रभारी अपर आयुक्त आशीष कुमार पाठक की शिकायत की. उन्होंने और अन्य पार्षदों ने आरोप लगाया है पाठक फोन नहीं उठाते है. अधिकारी समन्वय से कम नहीं कर रहे हैं. आज शहर में जनता पानी के लिए आंसू बहा रही है तो पाठक के कारण. उनको समय रहते भी हटा दिया जाता तो शहर इतनी पानी हाहाकार नहीं मचती. पार्षद राजू भदौरिया ने कहा कि टंकियां ही पूरी नहीं भर पा रही है, दूसरी ओर पानी साफ नहीं मिल रहा है. टैंकर से पूर्ति नहीं हो रही है. महिला पार्षद सोनिया मिमरोट भाटिया ने कहा कि अपर आयुक्त के यहां सुनवाई नहीं होती है. इसके बाद सभी पार्षदों ने पाठक से जल प्रबंधन का काम लेकर किसी अन्य अधिकारी को जिम्मेदारी देने की मांग की. आयुक्त ने पानी की पूर्ति और व्यवस्था में बदलाव करने का आश्वासन दिया. इस दौरान दीपू यादव, सीमा सोलंकी, अनसाफ अंसारी, रफीक खान, शैलेश गर्ग और अन्य कांग्रेस पार्षद मौजूद थे.

हरपाल सिंह भाटिया नए दानदाता वर्ग से विजयी, दो सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

- डेली कॉलेज सोसाइटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चुनाव सम्पन्न

नवभारत न्यूज़

इंदौर. द डेली कॉलेज सोसाइटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स हेतु 2(बी)(2) नए दानदाता वर्ग का चुनाव गुरुवार, 21 मई 2026 को द डेली कॉलेज स्थित दरबार हॉल में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ. मतदान प्रक्रिया सुबह 9 बजे प्रारंभ होकर शाम 5 बजे तक चली. इसके बाद बाहरी एवं स्थानीय मतदाताओं द्वारा डाले गए वोटों की गणना की गई.

मतगणना के परिणामों के अनुसार 2(बी)(2) वर्ग में हरपाल सिंह भाटिया को सर्वाधिक 357 मत प्राप्त हुए और उन्हें स्पष्ट बहुमत के साथ विजयी घोषित किया गया. वहीं राजेश अग्रवाल को 233 मत प्राप्त हुए और वे दूसरे स्थान पर रहे. अन्य उम्मीदवारों में जयेश पटेल एवं मानवीर सिंह बैस को 1-1 मत प्राप्त हुए, जबकि नीरज देसाई और संदीप पारेख को कोई मत प्राप्त नहीं हुआ। परिणामों के आधार पर स्पष्ट हुआ कि मतदाताओं ने इस वर्ग में एकतरफा समर्थन श्री भाटिया के पक्ष में दिया. इसी के साथ 2(बी)(2) पुराने दानदाता वर्ग के अंतर्गत चुनाव प्रक्रिया भी पूरी की गई. इस श्रेणी में नामांकन जांच के बाद केवल दो उम्मीदवारों- महाराजा विक्रम सिंह पंवार (देवास सीनियर) एवं राजा प्रियव्रत सिंह (खिलचीपुर)- के नामांकन वैध पाए गए. चूंकि इस श्रेणी में केवल दो सीटें निर्धारित हैं और दोनों पदों के लिए कोई प्रतिस्पर्धी नामांकन नहीं था, इसलिए दोनों उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया. चुनाव प्रक्रिया के दौरान संपूर्ण व्यवस्था शांतिपूर्ण रही और सभी निर्धारित नियमों के अनुसार मतदान एवं मतगणना सम्पन्न कराई गई.

एक नजर में

इंदौर में संपन्न हुई दो दिवसीय ब्रिक्स युवा उद्यमिता बैठक, क्रिस्टल आईटी पार्क और पीथमपुर दौरे से भारत की औद्योगिक ताकत का प्रदर्शन

स्टार्टअप, एआई और डिजिटल नवाचार पर ब्रिक्स देशों में मंथन

नवभारत न्यूज़

इंदौर. भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता कार्य समूह की बैठक इंदौर में संपन्न हुई. दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बैठक में ब्रिक्स देशों के युवा उद्यमियों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों ने नवाचार, स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल तकनीक और सतत विकास जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की.

बैठक का दूसरा दिन इंदौर के क्रिस्टल आईटी पार्क में आयोजित हुआ, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण कर भारत की औद्योगिक क्षमता और विनिर्माण ताकत को करीब से देखा. एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक हिमांशु प्रजापति, एसईजेड कमिश्नर अभिषेक शर्मा, ब्रिक्स प्रतिनिधियों और आईटी कंपनियों के विशेषज्ञों के बीच विस्तृत संवाद हुआ। चर्चा में उभरती तकनीकों, नए कार्यक्षेत्रों, बड़ी कंपनियों के साथ काम करने की चुनौतियों, तेजी से बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को अपडेट रखने, डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया. भारत में सस्ते इंटरनेट की उपलब्धता को स्टार्टअप और डिजिटल नवाचार के लिए बड़ी ताकत बताया गया. प्रतिनिधियों ने इंदौर के विकसित होते स्टार्टअप इकोसिस्टम की सराहना करते हुए ब्रिक्स देशों के बीच तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की. ब्रिक्स प्रतिनिधिमंडल ने मध्य भारत के प्रमुख औद्योगिक केंद्र पीथमपुर का भ्रमण किया, जहां ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे उद्योग स्थापित हैं. इस दौरान औद्योगिक सहयोग, सप्लाई चेन एकीकरण और तकनीकी साझेदारी जैसे विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई. बैठक का आयोजन भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा किया गया।

उद्यमिता हर युवा का अधिकार...

समापन सत्र को संबोधित करते हुए युवा मामले विभाग के अपर सचिव नितेश कुमार मिश्रा ने कहा कि उद्यमिता केवल कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर युवा का अधिकार है. उन्होंने पूंजी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, मार्गदर्शन और नियामकीय सहयोग जैसी चुनौतियों के समाधान के लिए ब्रिक्स देशों के बीच साझेदारी और निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया. वहीं निदेशक डॉ. सारा जयल सॉकमी ने कहा कि यह बैठक केवल प्रतिनिधित्व का मंच नहीं, बल्कि मिलकर भविष्य निर्माण का प्रयास रही.

विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा-कार्यक्रम की शुरुआत नवाचार, तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा और सामाजिक उद्यमिता से जुड़ी प्रदर्शनी से हुई. बैठक के दौरान पूर्ण सत्र, देश-विशिष्ट प्रस्तुतियां, पैनल चर्चा, कार्यशालाएं, नेटवर्किंग कार्यक्रम और इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए गए. डिजिटल नवाचार, तकनीक आधारित उद्यमिता, समावेशी विकास, हरित उद्यमिता और जलवायु-अनुकूल व्यापार मॉडल जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई. एआई, फिनटेक, एग्रीटेक, स्थिरता और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में उभरते अवसरों पर विशेष जोर दिया गया. बैठक के दूसरे दिन नेतृत्व विकास और उद्यमिता क्षमता निर्माण पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ. कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण और अनुभव साझा करने के साथ हुआ.